# भारत की संसद और रशियन ड्यूमा ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाने के लिए कार्यक्रम आयोजन करने की योजना बनाई

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 2018: आज संसदीय सौध विस्तार भवन में स्टेट ड्यूमा की फे□रल असेम्बली के चेयरमैन महामहिम श्री व्याचेस्लॉव वोलोदिन के नेतृत्व में भारत के दौरे पर आये रशियन फे□रेशन के संसदीय शिष्टमं□ल का स्वागत करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने इस बात का उल्लेख किया कि भारत महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मना रहा है। उन्होंने इस बात का स्मरण किया कि रूसी लेखक और दार्शनिक लियो टोल्सटाय के साथ गांधी जी की निकटता थी। उनके इस सुझाव पर कि रूसी संसद में भी इस अवसर पर समारोह का आयोजन किया जाना चाहिए, श्री वोलोदिन ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु रशियन ड्यूमा में एक कार्यक्रम का आयोजन किए जाने पर सहमति जताई।

श्रीमती महाजन ने दौरे पर आये शिष्टमं□ल को बताया कि भारत की संसद में अध्यक्षीय शोध कदम (अशोक) की शुरूआत की गई है ताकि संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ परस्पर संवाद को सुकर बनाकर संसद सदस्यों को विशिष्ट एवं तकनीकी प्रकृति के मुद्दों से संबंधित जानकारी प्रदान की जा सके। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि रूसी छात्रों को भारत की संसद के इंटर्नशिप कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत-रूस संबंधों को बढ़ावा देने में युवा संसद सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने लोकतंत्र और सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा दोनों देशों के नागरिकों के आपसी मेल-जोल से द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में लोगों की भागीदारी पर जोर दिया। इस संबंध में, उन्होंने भारत-रूस द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न आयामों के प्रति बेहतर समझ विकसित करने के लिए महिलाओं सहित युवा संसद सदस्यों के सम्मेलन का आयोजन किए जाने की संभावना पर विचार किए जाने का प्रस्ताव रखा।

श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कहा कि भारत की संसद रूसी शिष्टमं□ल के दौरे को अत्यंत महत्वपूर्ण मानती है और यह आशा व्यक्त की कि ऐसे दौरों से दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग मजबूत होगा। श्रीमती महाजन ने दौरे पर आए शिष्टमं□ल को रशियन फे□रेशन की फे□रेशन काउंसिल (उच्च सभा) की 25वीं वर्षगांठ पर बधाई दी।

श्रीमती सुमित्रा महाजन ने इस बात का विशेष उल्लेख किया कि हाल के वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में लगातार वृद्धि हुई है और रेलवे, सूचना प्रौद्योगिकी, हीरा व्यापार और अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाओं को तलाशने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण और संयुक्त उत्पादन के लिए और अधिक प्रयास किए जाएंगे।

श्रीमती महाजन ने सुझाव दिया कि दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में अत्यधिक प्रभावी कदम यह होगा कि भारत-रूस संसदीय आयोग की बैठक दोनों देशों में बारी-बारी से वार्षिक रूप से आयोजित की जाए।

अपने प्रत्युत्तर में, रशियन फे□रेशन की फे□रल असेम्बली की स्टेट ड्यूमा के चेयरमैन महामहिम श्री व्याचेस्लॉव ने दोनों देशों से □िजिटल अर्थव्यवस्था, आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस और रोबोटिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। श्री वोलोदिन ने आशा व्यक्त की कि उनके शिष्टमं□ल के दौरे से दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और सहयोग के रिश्ते में मजबूती आएगी। उन्होंने श्रीमती महाजन को भव्य आतिथ्य सत्कार के लिए धन्यवाद दिया।

भेंट के पश्चात,□भारत-रूसी परिसंघ अंतर-संसदीय आयोग के पांचवें सत्र का आयोजन किया गया जिसमें दोनों देशों के संसद सदस्यों ने भारत और रूस के बीच संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया।

तत्पश्चात,□श्रीमती सुमित्रा महाजन और श्री वोलोदिन ने संसद भवन में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष प्रेस वक्तव्य प□ (वक्तव्य की एक प्रति संलग्न है)।